

एक मसीही कौन है?

शुभ सन्देश

एक शब्दकोष में एक मसीही के बारे में परिभाषा कुछ इस तरह की होगी, "एक व्यक्ति जो यीशु पर मसीह के रूप में या यीशु की शिक्षा पर आधारित धर्म में विश्वास करने का अंगीकार करता है।" जबकि बहुत से शब्दकोषों की परिभाषाओं की तरह यह समझने के लिए, एक अच्छा आरम्भिक बिन्दु है, परन्तु एक मसीही कौन होता है, के अर्थ के प्रति बाइबल के सत्यों के द्वारा बतलाई जा रही वास्तविकताओं से बहुत पीछे रह जाता है। नए नियम में "मसीही" शब्द का प्रयोग तीन बार हुआ है (प्रेरितों के काम 11:26; प्रेरितों के काम 26:28; 1पतरस 4:16)। यीशु मसीह के अनुयायी सबसे पहले अन्ताकिया में मसीही कहलाये (प्रेरितों के काम 11:26) क्योंकि उनका आचरण, गतिविधियाँ, और भाषा मसीह जैसी ही थीं। शब्द "मसीही" का शाब्दिक अर्थ, "मसीह के दल के सदस्य" या "मसीह का एक अनुयायी" होने से है।

दुर्भाग्य से समय के बीतने के साथ ही, "मसीही" शब्द ने काफी हद तक अपनी विशेषता को खो दिया है और इसे अक्सर उस व्यक्ति के लिये उपयोग किया जाता है जो धार्मिक हो या जिसके पास उच्च नैतिक मूल्य हो परन्तु वह यीशु मसीह का एक सच्चा अनुयायी हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता है। बहुत से लोग जो यीशु मसीह पर विश्वास तथा भरोसा नहीं करते हैं स्वयं को केवल इसलिए मसीही मानते हैं क्योंकि वे गिरजाघर जाते हैं या फिर वे

एक "ईसाई" देश में रहते हैं। परन्तु गिरजाघर जाने से, अपने से कम भाग्यशाली लोगों की सेवा करने से, या एक अच्छा व्यक्ति बनना आपको मसीही नहीं बना देता है। जैसा कि एक सुसमाचार-प्रचारक ने एक बार कहा था, "गिरजाघर जाना किसी को मसीही नहीं बनाता जैसा कि एक मरम्मत की जाने वाली दुकान में जाकर एक व्यक्ति स्वचलित गाड़ी नहीं बन जाता।" एक कलीसिया का सदस्य होना, नियमित रूप से सभाओं में सम्मिलित होना और कलीसिया के कामों के लिये दान देना आपको मसीही नहीं बना देता है।

बाइबल हमें शिक्षा देती है कि हमारे भले कार्य हमें परमेश्वर के सामने ग्रहणयोग्य नहीं बना सकते हैं। तीतुस 3:5 हमें बताती है कि, "उसने हमारा उद्धार किया; और यह धर्म के कामों के कारण नहीं, जो हम ने आप किये, पर अपनी दया के अनुसार नए जन्म के स्नान और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।" इसलिये, एक मसीही वही है जो परमेश्वर द्वारा नया जन्म पाया हुआ है (यूहन्ना 3:3; यूहन्ना 3:7; 1पतरस 3:23) और जिसने अपने विश्वास और भरोसा को यीशु मसीह में रखा है। इफिसियों 2:8 हमें बताती है कि, "...विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है - और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है।"

एक सच्चा मसीही वह व्यक्ति है जिसने अपने विश्वास और भरोसे को केवल यीशु मसीह के व्यक्तित्व और कार्य में ही, जिसमें क्रूस के ऊपर उसकी मृत्यु में आपके पापों की कीमत को चुका देना और उसका तीसरे दिन जी उठना सम्मिलित है, रखा हो। यूहन्ना 1:12 हमें बताता है, "परन्तु जितनों ने उसे

ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं।" एक सच्चा मसीही सचमुच में परमेश्वर की संतान है, परमेश्वर के सच्चे परिवार का सदस्य, और वह जिसे यीशु मसीह में नया जीवन दिया गया है।

स्रोत / Source: [https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-what-Christia
n.html](https://www.gotquestions.org/Hindi/Hindi-what-Christia
n.html) | English: [https://www.gotquestions.org/what-is-a-Christian.ht
ml](https://www.gotquestions.org/what-is-a-Christian.ht
ml)

www.GotQuestions.org · <https://www.gotquestions.org/Hindi> · © Copyright
Got Questions Ministries · questions@gotquestions.org